डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद

परिपत्रक क्रमांक/एस.यु./कला /अभ्यासक्रम/७५/२०१४

या परिपत्रकाद्वारे सर्व संबंधीतांना सुचित करण्यात येते की, कला विद्याशाखेने शिफारस केल्यानुसार बी.ए,. बी. एस्सी., बी.कॉम., बी.एस.डब्ल्यू., बी.एफ.ए.,या मधील अनिवार्य, द्वितीय भाषा व ऐच्छिक तसेच एम. ए. हिंदी, इंग्रजी व संस्कृत द्वित्तीय वर्ष, तृतीय व चतुर्थ सत्र पध्दतीचे सुधारित अभ्यासक्रमास विद्यापरिषदेच्या वतीने मा. कुलगुरु यांनी, त्यांना प्राप्त असलेला विशेष अधिकार महाराष्ट्र विद्यापीठ अधिनियम-१९९४ कलम १४(७) अन्वये मान्यता दिलेली आहे. त्या अनुषंगाने सुधारीत तयार केलेल्या अभ्यासक्रमाच्या आकृतीबंधाची प्रत या परिपत्रकासोबत आपल्या पुढील कार्यवाहीसाठी पाठविण्यात येत आहे.

अ.क्र.	सुधारीत अभ्यासक्रम	विषय	सत्र
१.	बी.ए. बी. एस्सी. बी.कॉम. बी.एस.डब्ल्यू., अनिवार्य, द्वितीय भाषा व ऐच्छिक	मराठी	तृतीय व चतुर्थ
२.	बी.ए. बी. एस्सी. बी.कॉम. बी.एस.डब्ल्यू., अनिवार्य, द्वितीय भाषा व ऐच्छिक	हिंदी	तृतीय व चतुर्थ
३.	एम.ए.	हिंदी	तृतीय व चतुर्थ
४.	बी.ए. बी. एस्सी. बी.कॉम.,बी.एस.डब्ल्यू., अनिवार्य, द्वितीय भाषा व ऐच्छिक	इंग्रजी	तृतीय व चतुर्थ
५.	एम.ए.	इंग्रजी	तृतीय व चतुर्थ
६.	बी.ए. बी. एस्सी. बी.कॉम.,बी.एस.डब्ल्यू., अनिवार्य, द्वितीय भाषा व ऐच्छिक	उर्दु, अरेबिक आणि पार्शियन	तृतीय व चतुर्थ
७.	बी.ए. बी. एस्सी. बी.कॉम.,बी.एस.डब्ल्यू., अनिवार्य द्वितीय भाषा आणि ऐच्छिक	पाली आणि बुद्धीझम	तृतीय व चतुर्थ
८.	बी.ए. बी. एस्सी. बी.कॉम. बी.एस.डब्ल्यू., अनिवार्य, द्वितीय भाषा व ऐच्छिक	संस्कृत	तृतीय व चतुर्थ
९.	एम.ए.	संस्कृत	तृतीय व चतुर्थ

उपरोक्त सुधारीत केलेल्या अभ्यासक्रमाचा आराखडा शैक्षणिक वर्ष २०१४-१५ करिता मर्यादित असेल व विद्यापरिषदेच्या अंतिम मान्यतेनंतर हे परिपत्रक नियमित ठेवण्याबाबत या कार्यालयाद्वारे नवीन परिपत्रक पारीत करण्यात येईल. तसेच सुधारीत व नवीन तयार केलेल्या अभ्यासक्रमाच्या आराखड्याची प्रत विद्यापीठाच्या [1] www.bamu.net, [2] www.affiliation.oaasisbamu.org या संकेतस्थळावर उपलब्ध आहे.

करिता, या परिपत्रकाची सर्व संबंधितांनी नोंद घ्यावी.

विद्यापीठ प्रांगण,
औरंगाबाद-४३१ ००४.
संदर्भ क्र.एस.यु./कला/जे.एल.के. /२०१३-१४/
७२९१-७६९०
दिनांक :- ०२-०६-२०१४.

संचालक,
महाविद्यालये व विद्यापीठ
विकास मंडळ.

****

या परिपत्रकाची एक प्रत :-

१) **मा. परिक्षा नियंत्रक, परिक्षा विभाग,**

२) मा. प्राचार्य, सर्व संलग्नीत महाविद्यालये,

३) संचालक, युनिक यांना विनंती करण्यात येते की, सदरील अभ्यासक्रम विद्यापीठाच्या संकेतस्थंळावर उपलब्ध करुण देण्यात यावेत.

४) संचालक, ई-सुविधा केंद्र, विद्यापीठ परिसर,

५) जनसंपर्क अधिकारी, मुख्य प्रशासकीय इमारत,

६) कक्ष अधिकारी, पात्रता विभाग, मुख्य प्रशासकीय इमारत,

७) कक्ष अधिकारी, बी.ए.,एम.ए. विभाग, परीक्षा भवन,

८) अभिलेख विभाग, मुख्य प्रशासकीय इमारती मागे,

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद.

--**--

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा विद्यापीठ, औरंगाबाद - ४३१००४

पाठ्यक्रम

एम.ए. हिंदी द्वितीय वर्ष

(तृतीय एवं चतुर्थ सत्र)

Semester- III- IV

जून २०१४ से क्रियान्वित

W.E. F June, २०१४

एम.ए.द्वितीय वर्ष

तृतीय सत्र **(Semester - III)**		
बीजप्रश्नपत्र	प्रश्नपत्र-9	भारतीय साहित्य :- 1
	प्रश्नपत्र-10	भाषाविज्ञान
	प्रश्नपत्र-11	स्वतंत्रतापूर्व हिंदी कविता
वैकल्पिक प्रश्नपत्र : व्यावसायिक वर्ग	प्रश्नपत्र-12	प्रयोजनमूलक हिंदी
		(अथवा)
	प्रश्नपत्र -12	अनुवाद विज्ञान
चतुर्थ सत्र **(Semester - IV)**		
बीजप्रश्नपत्र	प्रश्नपत्र -13	भारतीय साहित्य :- 2
	प्रश्नपत्र -14	हिंदी भाषा का इतिहास
	प्रश्नपत्र -15	स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता
वैकल्पिक प्रश्नपत्र : व्यावसायिक वर्ग	प्रश्नपत्र-16	माध्यमलेखन
		(अथवा)
	प्रश्नपत्र -16	हिंदी पत्रकारिता

एम.ए. हिंदी :द्वितीय वर्ष
तृतीय - सत्र

प्रश्नपत्र - 9: भारतीय साहित्य - 1

उद्देश्य :-

1. भारतीय साहित्य की अवधारणा का अध्ययन
2. भारतीय भाषाओं के साहित्य के माध्यम से भारतीयता की पहचान
3. तुलनात्मक साहित्य की अवधारणा का अध्ययन

अध्ययन - अध्यापन पद्धति :

1) व्याख्यान
2) दृक-श्रव्य साधनों का प्रयोग
3) रचनाकार / आलोचकों से साक्षात्कार
4) गोष्ठी / संगोष्ठी का आयोजन
5) स्वाध्याय

- **पाठ्यांश :**

1. भारतीय साहित्य की अवधारणा, स्वरूप
2. तुलनात्मक साहित्य में अनुवाद की भूमिका
3. कन्नड नाटक तथा मराठी उपन्यास : सामान्य परिचय
4. 'तुगलक' नाटक : संवेदना और रंगशिल्प
5. 'पांगिरा' उपन्यास : संवेदना और शिल्प

- **पाठ्यपुस्तकें :**

1) तुलनात्मक साहित्य : भारतीय परिप्रेक्ष्य : इंद्रनाथ चौधरी - वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली.
2) तुलगक : गिरीश करनाड, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली.
3) पांगिरा : विश्वास पाटील, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली.

- संदर्भ ग्रंथ :

1. भारतीय साहित्य : डॉ. नगेंद्र : प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली.
2. भारतीय साहित्य : डॉ. रामछबीता त्रिपाठी : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली.
3. भारतीय साहित्य : डॉ. मूलचंद गौतम : राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली.
4. भारतीय साहित्य : डॉ. ब्रजकिशोर प्रसाद सिंह : समवेत प्रकाशन, कानपुर.
5. भारतीय साहित्यः डॉ. लक्ष्मीकांत पांडेय : ज्ञानोदय प्रकाशन, कानपुर.
6. हिंदी और कन्नड के नाटकों का तुलनात्मक अध्ययन : डॉ. हेब्बरी, साहित्य रत्नालय, कानपुर.
7. मराठी साहित्यः परिदृश्यः चंद्रकांत बांदेवाडेकर, वाणी प्रकाशन. दिल्ली
8. कन्नड साहित्य का इतिहास : रं. श्री. मुंगळी, अनु. गौरीश कायकिणी, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली.
9. प्रदक्षिण भाग - 2 : बनहट्टी, कॉन्टीनेंटल प्रकाशन, पुणे.
10. भारतीय रंगमंचशास्त्र एवं आधुनिक रंगमंच : डॉ. कैलाशचंद शर्मा, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन

Semestr- III

कुल अंक -३०

१. पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प साहित)	१०
२. पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित)	०५
३. पाठ्यक्रम पर टिप्पणी (चार में से दो)	१०
४. संसदर्भ व्याख्या (दो में से एक)	०५

- **अंतर्गत मूल्यांकन**

अ. गृहपाठ - पाठ्यक्रम पर	०५
आ. मौखिकी - पाठ्यक्रम पर	०५

एम.ए. हिंदी :द्वितीय वर्ष

तृतीय - सत्र

प्रश्नपत्र - 10 : भाषा विज्ञान- 1

उद्देश्य :-

1. भाषा का वैज्ञानिक अध्ययन
2. भाषा - अध्ययन की प्रक्रिया का अध्ययन
3. भाषा - अध्ययन के ऐतिहासिक परिदृश्य का अध्ययन

अध्ययन - अध्यापन पद्धति :

1) व्याख्यान
2) दृक श्रव्य साधनों का प्रयोग
3) भाषा प्रयोगशाला का प्रयोग
4) स्वाध्याय

- **पाठ्यांश :**

1. भाषा : स्वरूप और भेद :-

अ) भाषा : परिभाषा एवं स्वरूप

आ) भाषा - व्यवस्था और भाषा - व्यवहार

इ) भाषा की प्रकृति एवं विशेषताएँ

ई) भाषा और बोली

2. भाषा विज्ञान :

अ) भाषा विज्ञान : तात्पर्य एवं परिभाषा

आ) भाषा विज्ञान का अध्ययन - क्षेत्र

इ) भाषा विज्ञान के अध्ययन की पद्धतियाँ : एककालिक, बहुकालिक, तुलनात्मक, सर्वेक्षण, पुननिर्माण पद्धति

ई) भाषा-विज्ञान के अध्ययन की उपयोगिता

उ) भाषा-विज्ञान का अन्य शास्त्रों से संबंध: भाषा विज्ञान और व्याकरण, भाषा-विज्ञान और साहित्य, भाषा-विज्ञान और मनोविज्ञान, भाषा-विज्ञान और शरीर विज्ञान, भाषा-विज्ञान और इतिहास, भाषा-विज्ञान और भूगोल, भाषा-विज्ञान और सामाजिक विज्ञान.

3. स्वन और स्वनिम विज्ञान :-

अ) स्वन विज्ञान का स्वरूप

आ) स्वन की अवधारणा और वर्गीकरण

इ) स्वन गुण

ई) स्वनिम : स्वरूप एवं भेद

4. रूप तथा रूपिम विज्ञान :-

अ) रूप विज्ञान का स्वरूप

आ) शब्द और रूप

इ) अर्थतत्व और संबंध तत्व

ई) संबंध तत्व के प्रकार

उ) रूपिम की अवधारणा एवं भेद

ऊ) रूप परिवर्तन की दिशाएँ एवं कारण

5. वाक्य तथा प्रोक्ति विज्ञान :-

अ) वाक्य-विज्ञान का स्वरूप

आ) वाक्य की अवधारणा : अभिहितान्यवाद, अन्विताभिदानवाद

इ) वाक्य की आवश्यकता

ई) वाक्य के अंग

उ) वाक्य के भेद

ऊ) वाक्य परिवर्तन : दिशाएँ एवं कारण

ए) प्रोक्ति-विज्ञान की अवधारणा

6. **अर्थ-विज्ञान :**

अ) अर्थ विज्ञान का स्वरूप

आ) अर्थ की अवधारणा : भारतीय, पाश्चात्य

इ) शब्द और अर्थ का संबंध

ई) अर्थ विकास की दिशाएँ एवं कारण

उ) बौद्धिक नियम

संदर्भ ग्रंथ :-

1) भाषा विज्ञान : डॉ. रमेश रावत : पंचशील प्रकाशन, जयपुर.
2) भाषा विज्ञान हिंदी भाषा और लिपि : रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3) भाषा विज्ञान एवं भाषाशास्त्र डॉ. कपिलदेव त्रिवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4) भाषा विज्ञान की भूमिका : देवेंद्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली.
5) भाषा और भाषा विज्ञान : डॉ. तेजपाल चौधरी, विकास प्रकाशन, कानपुर.
6) भाषा विज्ञान : डॉ. भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली.
7) भाषा विज्ञान के अधुनातन आयाम और हिंदी, डॉ. अंबादास देशमुख, शैलजा प्रकाशन, कानपुर.
8) भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा, डॉ. हणमंतराव पाटील, विद्याप्रकाशन, कानपुर.

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन

कुल अंक -३०

१. पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प साहित)	१०
२. पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित)	०५
३. पाठ्यक्रम पर टिप्पणी (चार में से दो)	१०
४. बहुविकल्पी वस्तुनिष्ठ प्रश्न (पाँच)	०५

- **अंतर्गत मूल्यांकन**

अ. गृहपाठ - पाठ्यक्रम पर	०५
आ. मौखिकी - पाठ्यक्रम पर	०५

एम.ए. हिंदी : द्वितीय वर्ष

तृतीय - सत्र

प्रश्नपत्र - 11 : स्वातंत्रतापूर्व हिंदी कविता

उद्देश्य :-

1. स्वातंत्रतापूर्व हिंदी कविता के विकासक्रम का अध्ययन
2. कविता के माध्यम से जन-संवेदना का अध्ययन
3. स्वातंत्रतापूर्व काव्य - रूपों का अध्ययन
4. काव्यास्वादन तथा मूल्यांकन क्षमता का विकास

अध्ययन - अध्यापन पद्धति :

1) व्याख्यान
2) कवि / आलोचकों से साक्षात्कार
3) काव्य-पाठ
4) दृक-श्राव्य साधनों का प्रयोग
5) काव्यास्वादन - मूल्यांकन अभ्यास / स्वाध्याय

- **पाठ्यांश :**

1) स्वतंत्रतापूर्व हिंदी कविता : विकासात्मक अध्ययन
2) कामायनी : सवंदेना और शिल्प
3) निराला का काव्य : संवेदना और शिल्प
4) सुमित्रानंदन का काव्य :संवेदना और शिल्प
5) महादेवी वर्मा का काव्य : संवेदना और शिल्प
6) दिनकर का काव्य : संवेदना और शिल्प

पाठ्यपुस्तकें :-

1) कामायनी : जयशंकर प्रसाद : राजकमल पेपर बैक्स, नई दिल्ली.
   (लज्जा, श्रद्धा, इडा सर्ग)
2) प्रसाद, निराला, महादेवी, पन्त की श्रेष्ठ रचनाएँः सं. वाचस्पति पाठक, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.

- पाठ्यक्रम में समाविष्ठ कविताएँ :-

1) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' :-

1. जागो फिर एक बार 2. बादलराग - 1,2,6
3. राम की शक्तिपूजा 4. तुलसीदास
5. सरोज स्मृति

2) सुमित्रानंदन पन्त :-

1. नौका विहार 2. चाँदनी 3. ताज
4. द्रुत झरो 5. यह धरती कितना देती है

3) महादेवी वर्मा :-

1. मैं बनी मधुमास अली 2. मधुर-मधुर मेरे दिपक
3. तुम मुझ में प्रिय 4. मैं नीर भरी दुख की बदली
5. सब आँखों के आँसू उजल

4) आज के लोकप्रिय कवि : रामधारी सिंह 'दिनकर'

संपा. मन्मथनाथ गुप्त : राजपाल एण्ड सन्स, नई दिल्ली.

पाठ्यक्रम में समाविष्ठ कविताएँ :-

1. हिमालय 2. बुद्धदेव 3. बालिका से वधु
4. दिल्ली और मास्को 5. कवि की मृत्यु

संदर्भ ग्रंथः

1) कामायनी एक पुनर्विचार : मुक्तिबोध
2) हिंदी काव्य का इतिहास : रामस्वरुप चतुर्वेदी
3) आधुनिक कविता यात्रा : रामस्वरूप चतुर्वेदी
4) आधुनिक कवि : विश्वम्भर 'मानव'
5) प्रसाद का काव्य : प्रेमशंकर
6) महादेवी का नया मूल्यांकन : परमानंद श्रीवास्तव
7) छायावाद : नामवर सिंह

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन

प्रश्नपत्र-११

कुल अंक -३०

१. संसदर्भ व्याख्या (दो में से एक)	०५
२. पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित)	१०
३. पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित)	०५
४. पाठ्यक्रम पर टिप्पणी (चार में से दो)	१०

- **अंतर्गत मूल्यांकन**

अ. गृहपाठ - पाठ्यक्रम पर	०५
आ. मौखिकी - पाठ्यक्रम पर	०५

एम.ए. हिंदी : द्वितीय वर्ष

तृतीय - सत्र

प्रश्नपत्र - 12 : वैकल्पिक प्रश्नपत्र : व्यावसायिक वर्ग

i - प्रयोजनमूलक हिंदी

उद्देश्य :-

1. प्रयोजनमूलक भाषा का सैद्धान्तिक अध्ययन
2. प्रयोजनमूलक भाषा - कौशल का विकास

अध्ययन - अध्यापन पद्धति :

1) व्याख्यान
2) दृक-श्राव्य साधनों का प्रयोग
3) कार्यशाला / स्वाध्याय

- पाठ्यांश :

1. हिंदी के विभिन्न रूप :-

अ) सृजनात्मक भाषा
आ) संचार भाषा
इ) मातृभाषा
ई) राष्ट्रभाषा

2. प्रयोजनमूलक हिंदी : स्वरूप और प्रयोग क्षेत्र :

अ) प्रयोजनमूलक हिंदी : तात्पर्य एवं परिभाषा
आ) प्रयोजनमूलक हिंदी की स्वरूपगत विशेषताएँ
इ) प्रयोजनमूलक हिंदी : प्रयोग क्षेत्र

3. पारिभाषिक शब्दावली :-

अ) पारिभाषिक शब्दावली : तात्पर्य एवं परिभाषा
आ) पारिभाषिक शब्दावली : स्वरूपगत विशेषताएँ

इ) प्रयोजनमूलक शब्दावली निर्धारण : समस्या और समाधान

ई) पारिभाषिक शब्दावली निर्माण-निर्धारण के सिद्धान्त

अ) राष्ट्रीयतावादी आ) अंतर्राष्ट्रीयतावादी

इ) प्रयोगवादी या लोकवादी ई) समन्वयवादी

4. राजभाषा हिंदी :

अ) राजभाषा से तात्पर्य

आ) राजभाषा हिंदी : संविधानिक स्थिति

इ) राजभाषा हिंदी के प्रमुख प्रकार्य : प्रारुपण, संक्षेपण एवं टिप्पण

5. अद्यतन इलैक्ट्रॉनिक्स संचार माध्यम और हिंदी :

अ) कम्प्युटर और हिंदी

कम्प्युटर का परिचय, इतिहास, महत्त्व, उपयोगिता

प्रकार, हिंदी साफ्टवेअर पैकेज

आ) इंटरनेट, इंटरनेट की उपयोगिता, ई-मेल.

6. वाणिज्य - व्यवसाय और हिंदी :

अ) वाणिज्य व्यापार : तात्पर्य एवं स्वरूप

आ) व्यापार के साधन

इ) वाणिज्य- व्यापार और भाषा प्रकार्य

ई) वाणिज्य- व्यावसायिक भाषा : सामान्य विशेषताएँ

उ) वाणिज्य- व्यावसायिक भाषा : संरचनात्मक विशेषताएँ

संदर्भ ग्रंथ :

7. प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध आयाम : महेंद्रसिंह राणा :
8. प्रयोजनमूलक हिंदी : विनोद गोदरे :वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
9. प्रयोजनमूलक हिंदीः डॉ. माधव सोनटक्केः लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.
10. संप्रेषणमूलक व्यावसायिक हिंदी : हिंदी पाठ्य समिति : ओरियंट ब्लैकस्वॉनप्रा.लि. 3-6-752, हिमायतबाग, हैदराबाद-29
11. प्रयोजनमूकल तथा व्यवहारिक हिंदी : डॉ. सुकुमार भंडारे विकास प्रकाशन, कानपुर
12. प्रयोजनमूलक हिंदी के अधुनातन आयाम : डॉ. अंबादास देशमुख :
13. शैलजा प्रकाशन, कानपुर.
14. प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ. लक्ष्मीकांत पाण्डेय : ज्ञानोदय प्रकाशन, कानपुर
15. प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी : कृष्णकुमार गोस्वामी
16. हिंदी के प्रयोजनमूलक भाषारुप : डॉ. माधव सोनटक्के छाया पब्लिकेशन, औरंगाबाद.
17. प्रयोजनमूलक तथा व्यवहारिक हिंदी : डॉ. सुकुमार भंडारे, विकास प्रकाशन, कानपुर.

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन

प्रश्नपत्र-१२

प्रयोजनमूलक हिंदी

कुल अंक-३०

१. पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित)	१०
२. पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित)	०५
३. पाठ्यक्रम पर टिप्पणी (चार में से दो)	१०
४. बहुविकल्पी वस्तुनिष्ठ प्रश्न (पाँच)	०५

- **अंतर्गत मूल्यांकन**

अ. गृहपाठ - पाठ्यक्रम पर	०५
आ. मौखिकी - पाठ्यक्रम पर	०५

अथवा

प्रश्नपत्र - **12** : वैकल्पिक प्रश्नपत्र : व्यावसासिक वर्ग 11. अनुवाद साहित्य

उद्देश्य :

1. अनुवाद - प्रक्रिया का वैज्ञानिक अध्ययन
2. अनुवाद- कौशल का विकास
3. रोजगारपरक कौशल का विकास
4. तुलनात्मक साहित्य अध्ययन की पृष्ठभूमि का विकास

अध्ययन- अध्यायन पद्धति :

1) व्याख्यान
2) दृक-श्रव्य साधनों का प्रयोग
3) कार्यशाला
4) अतिथि विद्वानों के व्याख्यान
5) अनुवाद- अभ्यास/ स्वाध्याय

पाठ्यांश

1. अनुवाद : स्वरूप, भेद, उपयोगिता और प्रक्रिया :

अ) अनुवाद से तात्पर्य एवं परिभाषा

आ) अनुवाद के भेद

इ) अनुवाद की उपयोगिता

ई) अनुवाद- प्रक्रिया

उ) अनुवाद के साधन

2. अनुवाद का भाषा- वैज्ञानिक पक्ष :

अ) अनुवाद और ध्वनि विज्ञान

आ) अनुवाद और वाक्य विज्ञान

इ) अनुवाद और रूप विज्ञान

ई) अनुवाद और अर्थ विज्ञान

3. कार्यालयी अनुवाद : स्वरूप और समस्याएँ :

अ) कार्यालयी अनुवाद : स्वरूप और समस्याएँ

आ) कार्यालयी अनुवाद : साधन और प्रक्रिया

इ) कार्यालयी साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ

4. वैज्ञानिक तथा तकनीकी अनुवाद : स्वरूप और समस्याएँ :

अ) वैज्ञानीक और तकनीकी साहित्य

आ) वैज्ञानीक/ तकनीकी साहित्य अनुवाद की समस्याएँ

5. मीडिया अनुवाद : स्वरूप और समस्याएँ :

अ) पत्रकारिता से संबद्ध अनुवाद के आयाम, पत्रकारिता और अनुवाद

आ) समाचार- अनुवाद : मुद्रित माध्यम, आकाशवाणी तथा दूरदर्शन- समाचार के अनुवाद

इ) विज्ञापनों के अनुवाद

ई) दूरदर्शन के अनुवाद : क्षेत्र, स्वरूप और समस्याएँ

6. अनुवाद बनाम मशीनी अनुवाद :

अ) कम्प्यूटर अनुवाद : अर्थ और घटक

आ) कम्प्यूटर अनुवाद की प्रक्रिया

इ) कम्प्यूटर अनुवाद और इंटरनेट

ई) कम्प्यूटर अनुवाद की समस्याएँ

संदर्भ ग्रंथ –

1. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा : डॉ. सुरेशकुमार, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. कार्यालयी अनुवाद की समस्याएँ : डॉ. भोलानाथ तिवारी/ डॉ. गोस्वमी / गुलाटी शब्दाकार, 159 गुरु अंगदनगर (वैस्ट) दिल्ली-92.
3. राजभाषा हिंदी में वैज्ञानिक अनुवाद की दिशाएँ : डॉ. हरिमोन, तक्षशिला प्रकाशन, 98, ए हिंदी पार्क दरियागंज, नई दिल्ली-2.
4. पत्रकारिता में अनुवाद की समस्याएँ : डॉ. भोलानाथ तिवारी/ जितेंद्र गुप्त, शब्दाकार, दिल्ली-92.
5. ई. अनुवाद और हिंदी : डॉ. हरीशकुमार सेटी, किताबघर 24/4855, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली.
6. अनुवाद एवं भाषांतरण : पाठ और अभ्यास : सं. रवींद्र गर्गेश कृष्णकुमार गोस्वामी, ओरियंट लौगमैन प्रा.जि.1/24 असिफअली रोड, नई दिल्ली-2.
7. अनुवाद का समाजशास्त्र : डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे, अमित प्रकाशन, दिल्ली.

प्रश्नपत्र का प्रारूप तथा अंक विभाजन

प्रश्नपत्र-१२

अनुवाद - विज्ञान

कुल अंक -३०

१. पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित)	१०
२. पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित)	०५
३. पाठ्यक्रम पर टिप्पणी (चार में से दो)	१०
४. बहुविकल्पी वस्तुनिष्ठ प्रश्न (पाँच)	०५

- अंतर्गत मूल्यांकन

अ. गृहपाठ - पाठ्यक्रम पर	०५
आ. मौखिकी - पाठ्यक्रम पर	०५

एम.ए. हिंदी : द्वितीय वर्ष

चतुर्थ - सत्र

प्रश्नपत्र : 13 भारतीय साहित्य-2

उद्देश्य :

1. भारतीय साहित्य अध्ययन की समस्याओं का अध्ययन
2. भारतीय भाषाओं के साहित्य के माध्यम से भारतीयता की पहचान
3. तुलनात्मक साहित्य का अध्ययन

अध्ययन - अध्यापन पद्धति –

1. व्याख्यान
2. दृक-श्रव्य साधनों का प्रयोग
3. गोष्ठी/ संगोष्ठी का आयोजन
4. स्वाध्याय

पाठ्यांश :

1. भारतीय साहित्य - अध्ययन की समस्याएँ
2. बंगला उपन्यास साहित्य : सामान्य परिचय
3. उडिया कविता : सामान्य परिचय
4. मास्टर साब : संवेदना और शिल्प
5. सिताकांत महापात्रा की कविता : संवेदना
6. सिताकांत महापात्रा की कविता : शिल्प विधान

पाठ्यपुस्तके :

1. मास्टर साब : महाश्वेता देवी : भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
2. वर्षा की सुबह : सीताकांत महापात्रा : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

पाठ्यक्रम में समाविष्ठ कविताएँ :

1. आकाश 2. वर्षा की सुबह 3. नारी
4. शब्द से दो बातें5. जड 6. यात्रा तेरी

7. समुद्र 8. चुल्हे की आग 9. गाँव का आपेरा

10. वस्त्रहरण

संदर्भ ग्रंथ :

1. भारतीय साहित्य : आशा और आस्था : डॉ. आरस्तु, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली.
2. भारतीय साहित्य की अवधारणा : डॉ. राजेंद्र मिश्र, तक्षशीला प्रकाशन, नई दिल्ली
3. भारतीय साहित्य : स्थापनाएँ और प्रस्तावनाएँ : के सच्चिदानंदन, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. बंगला साहित्य का इतिहास : सुकुमार सेन, अनु. निर्मला जैन, साहित्य अकादमी, नई दिल्ली
5. भारतीय साहित्य : डॉ. नगेन्द्र, प्रभावत प्रकाशन, नई दिल्ली
6. आज का भारतीय साहित्य : साहित्य अकादमी, राजपाल एण्ड सन्स, नई दिल्ली.

प्रश्नपत्र का स्वरूप तथा अंक विभाजन

चतुर्थ सत्र

Semester- IV

प्रश्नपत्र- १३

कुल अंक- ३०

१. पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित)	१०
२. पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित)	०५
३. पाठ्यक्रम पर टिप्पणी (चार में से दो)	१०
४. ससंदर्भ व्याख्या (दो में से एक)	०५
• **अंतर्गत मूल्यांकन**	
अ. गृहपाठ - पाठ्यक्रम पर	०५
आ. मौखिकी - पाठ्यक्रम पर	०५

एम.ए. हिंदी : द्वितीय वर्ष

चतुर्थ - सत्र

प्रश्नपत्र : 14 हिन्दी भाषा का इतिहास

उद्देश्य :

1. हिंदी भाषा का संरचनात्मक अध्ययन
2. हिंदी भाषा के विकासक्रम का अध्ययन
3. हिंदी की बोलियों का अध्ययन

अध्ययन- अध्यापन पद्धति :

1. व्याख्यान
2. दृक्-श्रव्य साधनों का प्रयोग
3. स्वाध्याय
4. अध्ययन- यात्रा

पाठ्यांश :

1. संसार की भाषाओं का वर्गीकरण :

अ) संसार के भाषा परिवार : सामान्य परिचय

आ) भारत वर्ष के भाषा परिवार : सामान्य परिचय

2. हिंदी उद्‌भव और विकास :

अ) भारतीय आर्यभाषा : विकासात्मक परिचय

आ) हिंदी उद्‌भव और विकास

3. हिंदी का भौगोलिक विस्तार :

अ) हिंदी की उपभाषाएँ एवं बोलियाँ

आ) पश्चिमी हिंदी और उसकी बोलियाँ

इ) पूर्वी हिंदी और उसकी बोलियाँ

ई) राजस्थानी हिंदी और उसकी बोलियाँ

उ) बिहारी हिंदी और उसकी बोलियाँ

ऊ) पहाडी हिंदी और उसकी बोलियाँ

4. हिंदी भाषा की संरचना :

अ) हिंदी की स्वनिम व्यवस्था : खण्ड तथा खण्डेतर

आ) हिंदी की शब्द रचना : उपसर्ग, प्रत्यय, समास

इ) हिंदी की रूप- रचना : लिंग, वचन, कारक

ई) हिंदी की वाक्य रचना : पदक्रम और अन्वय

5. हिंदी की शब्द संपदा :

अ) तत्सम

आ) तद्भव

इ) देशज

ई) विदेशी

उ) संकर

6. देवनागरी लिपि :

अ) लिपि : तात्पर्य एवं स्वरूप

आ) देवनागरी लिपि : उद्भव और विकास

इ) देवनागरी लिपि की वैज्ञानिकता

ई) देवनागरी लिपि : दोष एवं त्रुटियाँ

उ) देवनागरी लिपि में सुधार के प्रयास

ऊ) संगणक की दृष्टि से देवनागरी लिपि

ए) मानकीकरण और हिंदी

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी भाषा का उद्‌गम और विकास : उदयनारायण तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.
2. हिंदी भाषा का उद्‌भव और विकास : डॉ. हेतु भारद्वाज/ डॉ. रमेश राऊत, पंचशील प्रकाशन, जयपुर.
3. हिंदी भाषा का इतिहास : डॉ. भोलानाथ तिवारी : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिंदी : उद्‌भव, विकास और रुप : हरिदेव बाहरी : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली.
5. हिंदी भाषा की संरचना : डॉ. भोलानाथ तिवारी : शब्दाकार, नई दिल्ली.
6. हिंदी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास : प्रो. सत्यनारायण त्रिपाठी विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी.

प्रश्नपत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन

प्रश्नपत्र-१४

कुल अंक- ३०

१. पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित)	१०
२. पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित)	०५
३. पाठ्यक्रम पर टिप्पणी (चार में से दो)	१०
४. बहुविकल्पी वस्तुनिष्ठ प्रश्न (पाँच)	०५

- **अंतर्गत मूल्यांकन**

अ. गृहपाठ - पाठ्यक्रम पर	०५
आ. मौखिकी - पाठ्यक्रम पर	०५

एम.ए. हिंदी : द्वितीय वर्ष

चतुर्थ - सत्र

प्रश्नपत्र : 15 स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविता

उद्देश्य :

1) स्वातंत्र्योत्तर हिंदी कविता के विकासक्रम का अध्ययन
2) कविता के माध्यम से स्वातंत्र्योत्तर जन- संवेदना का अध्ययन
3) स्वातंत्र्योत्तर काव्य - रूपों का अध्ययन
4) काव्यास्वादन तथा मूल्यांकन क्षमता का विकास

अध्ययन- अध्यापन पद्धति :

1) व्याख्यान
2) कवि/ आलोचकों से साक्षात्कार
3) काव्य – पाठ
4) दृक/ श्रव्य साधनों का प्रयोग
5) काव्यस्वादन- मूल्यांकन अभ्यास/ स्वाध्याय

पाठ्यांश :

1) आत्मजयी : संवेदना और शिल्प
2) अज्ञेय का काव्य : संवेदना और शिल्प
3) मुक्तिबोध का काव्य : संवेदना और शिल्प
4) धूमिल का काव्य : संवेदना और शिल्प
5) उदय प्रकाश का काव्य : संवेदना और शिल्प
6) अरुण कमल का काव्य : संवेदना और शिल्प

पाठ्यपुस्तकें :

1. **आत्मजयी** : कुंअर नारायण : ज्ञानपीठ प्रकाशन, नई दिल्ली
2. **छायान्तर** : सं. नंदकिशोर नवल : लोकभारती प्रकाशन.

पाठ्यक्रम में समाविष्ठ कविताएँ :

- अज्ञेय -

1. हरि घास पर क्षणभर 2. कलगी बाजरे की 3. नदी के द्वीप

4. यह दिप अकेला 5. आंगन के पार

- मुक्तिबोध :

1. दिमागी गुँहाधकार का ओरांग 2. एक अरुप शून्य के प्रति

3. पता नही 4. ब्रह्मराक्षस 5. भूल गलती

- धूमिल :

1. बीस साल बाद 2. मोचीराम 3. प्रौढशिक्षा

4. मुनासिब कारवाई 5. खून के बारे में कविता

3. छायावादोत्तर हिंदी कविता : सं. अलोक गुप्त : : जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

पाठ्यक्रम में समाविष्ठ कवि और कविताएँ

- उदय प्रकाश :

1. नींव की इंट हो तुम दीदी 2. तिब्बत 3. तानाशाह की खोज

4. दो हाथियों की लडाई 5. एक था अबूतर- एक था कबूतर

- अरूण कमल :

1. उम्मीद 2. मुक्ति 3. डेली पँसेंजर

4. श्रद्धाजंली 5. उर्वर प्रदेश

संदर्भ ग्रंथ :

1. आधुनिक कवि : विश्वम्भर मानव : लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.
2. मुक्तिबोध की कविताएँ : बिम्ब प्रतिबिंब : नंदकिशोर नवल, प्रकाशन संस्थान, नई दिल्ली.
3. समकालीन हिंदी कविता : विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली.
4. समकालीन काव्य यात्रा : नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली.
5. समकालीन हिंदी कविता : ए. अरविंदाक्षन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली.
6. कालयात्री है कविता : प्रभाकर श्रोत्रिय, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली.
7. मुक्तिबोध की कविताएँ : अशोक चक्रधर, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली.
8. धूमिल और उनका काव्य संघर्ष : डॉ. ब्रह्देव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.
9. आधुनिक कवि : रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद.

प्रश्नपत्र का प्रारूप एवं अंक विभाजन

प्रश्नपत्र-१५

प्रश्नपत्र का प्रारुप

स्वातंत्र्योत्तर कविता

कुल अंक- ३०

१. ससंदर्भ व्याख्या (दो में से एक)	१०
२. पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित)	०५
३. पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित)	१०
४. पाठ्यक्रम पर टिप्पणी (चार में से दो)	०५

- **अंतर्गत मूल्यांकन**

अ. गृहपाठ - पाठ्यक्रम पर	०५
आ. मौखिकी - पाठ्यक्रम पर	०५

एम.ए. हिंदी : द्वितीय वर्ष

चतुर्थ - सत्र

प्रश्नपत्र : 16 माध्यम लेखन (वैकल्पिक प्रश्नपत्र)

उद्देश्य :

1) जनसंचार माध्यमों का अध्ययन
2) माध्यमोपयोगी लेखन का सैद्धान्तिक अध्ययन
3) माध्यम लेखन कौशल का विकास

अध्ययन- अध्यापन पद्धति :

1) व्याख्यान
2) दृक/ श्राव्य साधनों का प्रयोग
3) कार्यशाला/ अभ्यास
4) मीडियाकर्मियों से साक्षात्कार

पाठ्यांश :

1. जन- संचार : स्वरूप, प्रक्रिया और क्षेत्र :

अ) जनसंचार : तात्पर्य एवं स्वरूप

आ) संचार प्रक्रिया

इ) संचार के क्षेत्र एवं प्रकार

2. जन संचार माध्यम : स्वरूप, प्रकार एवं विकास :

अ) जनसंचार माध्यम : तात्पर्य एवं स्वरूप

आ) जनसंचार माध्यम के भेद

1. परपंरागत माध्यम
2. आधुनिक माध्यम
3. नव इलैक्ट्रानिक माध्यम

3. माध्यमों के लिए लेखन : स्वरूप और प्रकार :

अ) माध्यम/ संचार भाषा : स्वरूपगत विशेषताएँ

आ) माध्यम लेखन और सृजनात्मक लेखन

इ) माध्यम लेखन के प्रमुख प्रकार

4. मुद्रित माध्यम के लिए लेखन :

अ) समाचार आ) फिचर

इ) विज्ञापनई) संपादकीय

5. श्राव्य माध्यम के लिए लेखन :

अ) रेडिओं वार्ता आ) रेडिओं नाटक

6. दृक - श्राव्य माध्यम के लिए लेखन :

अ) धारावाहिक

आ) विज्ञापन

इ) टेलिफिल्म

ई) फिचर फिल्म तथा वृत्तचित्र लेखन

संदर्भ ग्रंथ :

1. मीडिया लेखन : सिद्धान्त और व्यवहार : डॉ. चंद्रपकाश : संजय प्रकाशन, नयी दिल्ली
2. नये जनसंचार माध्यम और हिंदी : सं. सुधीर पचौरी राजकमल प्रकाशन
3. हिंदी के प्रयोजनमूलक भाषा रुप : डॉ. माधव सोनटक्के, छाया पब्लिकेशन, औरंगाबाद.
4. पटकथा लेखन : एक परिचय : मनोहर श्याम जोशी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्लीी.
5. टेलीविजन लेखन : अजगर वजाहत, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली.
6. रेडियों नाटक की कला : डॉ. सिद्धनाथ कुमार, राधाकृष्ध प्रकाशन, नई दिल्ली.
7. भारतीय सिने सिद्धांत : अनुपम ओझा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली.
8. रेडिओं लेखन : मधुकर गंगाधर, हिंदी ग्रंथ अकादमी,पटना

प्रश्न पत्र का प्रारुप तथा अंक विभाजन

प्रश्नपत्र-१६

मिडिया लेखन

कुल अंक -३०

१. पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित)	१०
२. पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित)	०५
३. पाठ्यक्रम पर टिप्पणी (चार में से दो)	१०
४. बहुविकल्पी वस्तुनिष्ठ प्रश्न (पाँच)	०५

- **अंतर्गत मूल्यांकन**

अ. गृहपाठ - पाठ्यक्रम पर	०५
आ. मौखिकी - पाठ्यक्रम पर	०५

अथवा

प्रश्नपत्र : 16 हिन्दी पत्रकारिता

उद्देश्य :

1) पत्रकारिता की कला का वैज्ञानिक अध्ययन

2) पत्रकारिता सिद्धांत का अध्ययन

3) पत्रकारिता के कौशल का विकास

4) हिंदी पत्रकारिता के विकासक्रम का अध्ययन

अध्ययन- अध्यापन पद्धति :

1) व्याख्यान

2) दृक/ श्राव्य साधनों का प्रयोग

3) कार्यशाला/ अभ्यास

4) पत्र- पत्रिका के कार्यालयों से भेंट- यात्रा

पाठ्यांश :

1.पत्रकारिता : स्वरूप, उद्देश्य एवं प्रकार :

अ) पत्रकारिता से तात्पर्य एवं परिभाषा

आ) पत्रकारिता के आदर्श/ उद्देश्य

इ) पत्रकारिता के क्षेत्र एवं प्रकार

2. हिंदी पत्रकारिता : उद्‌भव और विकास :

अ) भारत में पत्रकारिता का उदय

आ) हिंदी पत्रकारिता का उद्‌भव

इ) स्वतंत्रतापूर्ण हिंदी पत्रकारिता

ई) स्वातंत्र्योत्तर हिंदी पत्रकारिता

3. समाचार – पत्र प्रबंधन :

अ) संपादकीय विभाग

आ) विज्ञान- विभाग

इ) मुद्रण- विभाग

ई) वितरण- विभाग

उ) प्रशासन-विभाग

ऊ) वित्त व लेखा- विभाग

4. प्रेस कानून और आचार संहिता :

अ) प्रमुख प्रेस कानून

आ) पत्रकारिता की आचार संहिता

5. पत्रकारिता के नये क्षितीज :

अ) रेडिओ पत्रकारिता

आ) दूरदर्शन पत्रकारिता

इ) इंटरनेट पत्रकारिता

6. पत्रकारिता और अनुवाद :

अ) पत्रकारिता में अनुवाद : स्वरूप एवं क्षेत्र

आ) पत्रकारिता अनुवाद : महत्त्व, समस्याएँ एवं समाधान

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी पत्रकारिता का बृहद इतिहास : डॉ. विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली.
2. हिंदी पत्रकारिता : स्वरूप एवं संदर्भ : डॉ. विनोद गोदरे वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली.
3. पत्रकारिता : विविध विधाएँ : डॉ. राजकुमारी रानी, जयभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
4. समाचार पत्र का प्रबंधन : गुलाब कोठारी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली.
5. पत्रकारिता के नये परिप्रेक्ष्य : राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. पत्रकारिता के सिद्धांतः डॉ. रमेश त्रिपाठी, अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली.
7. पत्रकारिता में अनुवाद की समस्याएँ : डॉ. भोलानाथ तिवारी/ जितेंद्र गुप्त, शब्दकार, नई दिल्ली

प्रश्नपत्र का प्रारुप तथा विभाजन

विकल्प में

हिंदी पत्रकारिता

	कुल अंक- ३०
१. पाठ्यक्रम पर दीर्घोत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित)	१०
२. पाठ्यक्रम पर लघुत्तरी प्रश्न (विकल्प सहित)	०५
३. पाठ्यक्रम पर टिप्पणी (चार में से दो)	१०
४. बहुविकल्पी वस्तुनिष्ठ प्रश्न (पाँच)	०५
• **अंतर्गत मूल्यांकन**	
अ. गृहपाठ-पाठ्यक्रम पर	०५
आ. मौखिकी -पाठ्यक्रम पर	०५

डॉ. सुकुमार भंडारे
अध्यक्ष, हिंदी पाठयक्रम समिति
डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मराठवाडा
विद्यापीठ, औरंगाबाद